राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचारपत्र

संकल्प शक्ति

संकल्प शक्ति के बल पर आओ हम सब मिलकर भय-भूख-भ्रष्टाचार से मुक्त भारत का निर्माण करें।

पृष्ठ-8, मूल्य ₹5

डाक पंजीकरण संख्या- MP/SDLDn/0025/2026-2028

www.sankalpshakti.in | गुरुवार 28 मई से 03 जून 2026 | वर्ष- 17, अंक : 18

सात्विक-सरल जीवन में ही 'माँ' की कृपा निहित है: बहन पूजा शुक्ला

भगवती मानव कल्याण संगठन हमारे भारत देश के 182 ज़िलों में निःशुल्क, निःस्वार्थ सेवाभाव से कार्य कर रहा है: अजय अवस्थी

जौनपुर। संकल्प शक्ति। ऋषिवर सद्गुरुदेव श्री शक्तिपुत्र जी महाराज के आशीर्वाद से भगवती मानव कल्याण संगठन एवं पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम ट्रस्ट के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 22-23 मई 2026 को बरन वाल मैरिज हॉल, डोभर, जौनपुर, उत्तरप्रदेश में 24 घंटे का श्री दुर्गाचालीसा अखंड पाठ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के शुभारम्भ में उपस्थित सभी भक्तों ने सामूहिक रूप से 'माँ'-गुरुवर के जयकारे लगाए।

कार्यक्रम की समापन बेला पर भगवती मानव कल्याण संगठन की केन्द्रीय अध्यक्ष शक्तिस्वरूपा बहन सिद्धाश्रमरत्न पूजा शुक्ला जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि ''परम पूज्य सद्गुरुदेव जी महाराज ने आप सभी को अपना पूर्ण आशीर्वाद प्रदान किया है। माता भगवती आदिशक्ति जगत् जननी जगदम्बा की साधना-आराधना में बहुत बड़ी शक्ति है। हम सामाजिक प्राणी हैं और जीवन में अनेक समस्याएं आती रहती हैं, जिनके समाधान के लिए हम दर-दर भटकते रहते हैं, लेकिन कोई निदान नहीं मिलता। यदि समस्याओं का समाधान पाना है, तो अपनी आत्मा की मूल जननी, अपनी इष्ट माता जगदम्बे की साधना-आराधना करें, लेकिन इससे पहले आपको पात्र बनना पड़ेगा और पात्र बनने के लिए अपने मन से हर बुराई का परित्याग करना पड़ेगा। क्योंकि सात्विक-सरल जीवन में ही 'माँ' की कृपा निहित है। तो, छल-कपट, झूठ-फरेब, ईर्ष्या-द्वेष व सभी प्रकार के विकारों से दूर रहें और कर्त्तव्यकर्म करते हुए 'माँ' की भक्ति में मन लगाएं।

मुझे गर्व है कि भगवती मानव कल्याण संगठन के कार्यकर्ता परम पूज्य गुरुवरश्री के निर्देश पर अपने घर-परिवार के उत्तरदायित्त्वों का निर्वहन करते हुए समाजकल्याण की दिशा में अग्रसर हैं। जगह-जगह श्री दुर्गाचालीसा का पाठ करवा रहे हैं, लोगों को नशे-मांसाहार से मुक्त चरित्रवान् जीवन जीने हेतु प्रेरित कर रहे हैं और इससे समाज में व्यापक परिवर्तन परिलक्षित है। आप अपने घर में माता भगवती की साधना-आराधना करें। परम पूज्य गुरुवरश्री ने बहुत ही सहज-सरल साधनाक्रम प्रदान किए हैं। गुरुवरश्री की विचारधारा अनुरूप चलकर आप अपने जीवन में परिवर्तन ला सकते हैं, इतना ही नहीं, परम पद को प्राप्त कर सकते हैं।

हमें आत्मकल्याण के साथ जनकल्याण भी करना है। हमें समाज को बताना है कि 'माँ' की साधना-आराधना और नशे-मांसाहार से मुक्त चरित्रवान् और कर्ममय जीवन ही हमें कलिकाल के भयावह वातावरण से मुक्ति दिला सकता है।''

संगठन के केन्द्रीय महासचिव सिद्धाश्रमरत्न अजय अवस्थी जी ने अपनी चिरपरिचित शैली में कहा कि ''आज यहाँ 24 घंटे तक 'माँ' का गुणगान चला, 'माँ'-गुरुवर की दिव्य आरती हुई। कोई भी अच्छा कार्य माता भगवती की इच्छा के बिना पूर्ण नहीं हो सकता। पहले ही यह निश्चित हो चुका होता है कि कब, कहाँ 'माँ' का गुणगान होगा? और वहाँ कौन-कौन उपस्थित होगा और इन दिव्य कार्यक्रमों में उपस्थित होने के लिए पात्रता की ज़रूरत होती है। जौनपुर ज़िले के 52 लाख लोगों में से इस दिव्य अनुष्ठान में शामिल होने के लिए माता भगवती ने केवल आप लोगों को पात्रता दी, इसके पीछे कोई-न-कोई कारण अवश्य होगा? हो सकता है कि 'माँ' आपसे समाजहित में कोई बहुत बड़ा कार्य कराना चाह रहीं हों।

भाईयों-बहनों, यह हमारा बहुत बड़ा सौभाग्य है कि इस दिव्य अनुष्ठान में हम लोग इतनी बड़ी संख्या में सम्मिलित हो सके। हमें हमेशा यह ध्यान रखना चाहिए कि कोई भी ईश्वरीय कार्य बिना कारण के नहीं हो सकता। भगवती मानव कल्याण संगठन हमारे भारत देश के 182 ज़िलों और विश्व के 13 देशों में निःशुल्क, निःस्वार्थ सेवाभाव से कार्य कर रहा है, जिससे जन-जन में नवचेतना का संचार हो सके और लोग नशे-मांसाहार व चरित्रहीनता जैसी बुराईयों से दूर होकर आत्मकल्याण व जनकल्याण करने के साथ ही अपने राष्ट्र की प्रगति में सहभागी बन सकें।''

विश्व धूम्रपान निरोधक दिवस: धूम्रपान करना छोड़ें और स्वस्थ जीवन चुनें

दुनिया भर में 31 मई को 'विश्व धूम्रपान निरोधक दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का एकमात्र उद्देश्य लोगों को धूम्रपान के जानलेवा ख़तरों के प्रति सचेत करना है। आज तम्बाकू से भरे बीड़ी, सिगरेट व चिलम का सेवन केवल एक व्यक्तिगत लत नहीं, बल्कि एक वैश्विक महामारी का रूप ले चुका है, जो हर साल लाखों हंसते-खेलते परिवारों को उजाड़ देती है।

वर्ष 2026 का संकल्प: स्वास्थ्य ही असली पूंजी है। तंबाकू व गांजे का धुआं सिर्फ़ फेफड़ों को ही नहीं, बल्कि हमारे समाज के आर्थिक और सामाजिक ताने-बाने को भी खोखला कर रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 'तंबाकू के सेवन से हर साल दुनिया भर में 80 लाख से अधिक लोगों की मौत होती है। चिंताजनक बात यह है कि इनमें से करीब 12 लाख लोग ऐसे होते हैं, जो खुद धूम्रपान नहीं करते, बल्कि दूसरों के धुएं (पैसिव स्मोकिंग) के शिकार होजाते हैं।'

युवा पीढ़ी पर मंडराता ख़तरा

आजकल युवाओं में ई-सिगरेट और हुक्के का चलन तेजी से बढ़ा है। इसे एक 'कूल ट्रेंड' या स्टेटस सिंबल मान लिया गया है, जो कि सरासर ग़लत और भ्रामक है। तंबाकू कंपनियां नए-नए स्वादं के जरिए बच्चों और किशोरों को अपना शिकार बना रही हैं। हमें यह समझना होगा कि निकोटीन किसी भी रूप में हो, वह सीधे मानसिक विकास और शरीर को नुक़सान पहुंचाता है।

बीमारियों को निमंत्रण

धूम्रपान और सिगरेट-बीड़ी का धुआं सीधे तौर पर हमारे शरीर को अंदर से खत्म करता है। इसके सेवन से होने वाली मुख्य बीमारियां इस प्रकार हैं- मुंह, गले, फेफड़े और भोजन नली का कैंसर। हार्ट अटैक, स्ट्रोक और ब्लॉक कफ। सांस की तकलीफ, शरीर की बीमारियों से लड़ने की ताकत का घटना आदि।

जिंदगी को चुनें

धूम्रपान की लत से आज़ादी पाना मुश्किल ज़रूर है, लेकिन नामुमकिन नहीं। इसके लिए दृढ़ इच्छाशक्ति और सही क़दम उठाने की ज़रूरत है। तंबाकू छोड़ने के लिए आज ही संकल्प लें और जब भी तलब उठे, सौंफ, इलाइची खाएं या पानी पिएं।

योग और प्राणायाम

मानसिक तनाव को कम करने के लिए ध्यान लगाएं, योगासन करें, प्राणायाम करें, क्योंकि धूम्रपान से दूरी ही लंबी उम्र की गारंटी है। आइए, इस 31 मई को हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि न तो खुद धूम्रपान करेंगे और न ही अपनों को इसके धुएं में झुलसने देंगे।

ख़तरनाक और जानलेवा हो सकती है सूर्यास्त के बाद की गर्मी

सूर्यास्त के बाद की गर्मी दिन की चिलचिलाती धूप से भी अधिक ख़तरनाक और जानलेवा हो सकती है। चिकित्सा विशेषज्ञों और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, जब रात का तापमान कम नहीं होता, तो मानव शरीर को दिनभर की तपिश से उबरने का मौका नहीं मिलता, जिससे स्ट्रोक, दिल के दौरे और गंभीर डिहाइड्रेशन का ख़तरा कई गुना बढ़ जाता है।

मई-जून के महीने में जब भी हम भीषण गर्मी या 'लू' की बात करते हैं, तो हम दोपहर की तपती धूप और झुलसाने वाली हवाओं पर चर्चा करते हैं और हम यह मान लेते हैं कि सूरज ढलने के बाद मौसम ठंडा हो जाएगा और राहत मिलेगी। लेकिन हालिया वैज्ञानिक शोध और डॉक्टरों की चेतावनियां एक बेहद डरावने सच की ओर इशारा कर रही है।

वैज्ञानिक शोध से यह निष्कर्ष निकला है कि सूर्यास्त के बाद रहने वाली अत्यधिक गर्मी दिन की धूप से कहीं अधिक ख़तरनाक साबित हो रही है। तापमान का यह 'रात्रिकालीन चक्र' चुपचाप लोगों को अपनी चपेट में ले रहा है। आइए जानते हैं कि आखिर सूरज डूबने के बाद की गर्मी हमारे शरीर के लिए इतनी घातक क्यों हो जाती है?--

शरीर को नहीं मिलती राहत: दिन के समय जब हम अत्यधिक गर्मी का सामना करते हैं, तो हमारा शरीर पसीना बहाकर खुद को ठंडा रखने की कोशिश करता है। प्रकृति का नियम है कि रात में तापमान गिरता है, जिससे हमारे शरीर को आराम करने और आंतरिक तापमान को सामान्य पर लाने का समय मिलता है, लेकिन जब रातें भी गर्म रहने लगती हैं, तो शरीर की यह रिकवरी प्रक्रिया ठप्प होजाती है। लगातार कई घंटों तक ऊंचे तापमान में रहने के कारण हृदय और किडनी पर दबाव अत्यधिक बढ़ जाता है।

कौन हैं सबसे ज़्यादा खतरे में?: रात की इस जानलेवा गर्मी का सबसे ज़्यादा असर बुजुर्गों, छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और पहले से ही शुगर, अस्थमा या हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित मरीजों पर पड़ता है। इसके अलावा आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग के लोग, जो छोटे और बिना वेंटिलेशन वाले कमरों में रहते हैं, वे इसका पहला शिकार बनते हैं।

बचाव के ज़रूरी उपाय

रात को सोने से पहले पर्याप्त पानी पिएं, भले ही प्यास न लगी हो। शाम को सूरज ढलने के बाद खिड़कियां खोलें ताकि ठंडी हवा का आदान-प्रदान हो सके। कमरों में भारी पर्दों की जगह हल्के सूती पर्दों का प्रयोग करें। यदि एसी नहीं है, तो सोने से पहले पैरों को ठंडे पानी में डुबोएं या गीले तौलिए का इस्तेमाल करें। मिट्टी के घड़े का पानी पिएं और रात में सोने से ठीक पहले भारी या प्रोटीन से भरपूर भोजन करने से बचें, क्योंकि यह शरीर के चयापचयको बढ़ाकर आंतरिक गर्मी को और बढ़ाता है।

डॉलर के मुकाबले रुपया निचले स्तर पर पहुंचा, इकॉनामी पर बढ़ा संकट

नई दिल्ली। डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया ऐतिहासिक निचले स्तर 96.89 पर पहुंच गया है, जिससे देश के चालू खाता घाटे और आयात बिल पर भारी दबाव बन गया है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ($110 प्रति बैरल) और विदेशी निवेशकों के द्वारा लगातार की जा रही बिकवाली ने इस गिरावट को तेज कर दिया है।

वैश्विक बाजारों में मची हलचल और घरेलू स्तर पर विदेशी पूंजी की लगातार निकासी के कारण भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के सामने पूरी तरह लाचार नज़र आ रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाज़ार में भारी बिकवाली के चलते रुपया इतिहास के सबसे न्यूनतम स्तर रु. 96.89 प्रति डॉलर पहुंच चुका है। गौरतलब है कि वर्ष 2026 की शुरुआत से अब तक रुपये में 07 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आ चुकी है, जिससे यह इस साल एशिया की सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली मुद्रा बन गया है। वित्तीय विश्लेषकों का मानना है कि यदि वैश्विक परिस्थितियां जल्द नहीं सुधरीं, तो रुपया बेहद जल्द रु. 100 प्रति डालर के मनोवैज्ञानिक स्तर को भी पार कर सकता है।

क्यों टूट रहा है रुपया?: गिरावट के तीन बड़े कारण हैं- अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें 110 डॉलर प्रति बैरल के आसपास मंडरा रही हैं। भारत अपनी ज़रूरत का 85 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। तेल महंगा होने से भारत को भुगतान के लिए भारी मात्रा में डॉलर खर्च करने पड़ रहे हैं, जिससे रुपये पर दबाव बढ़ गया है।

विदेशी निवेशकों का पलायन: वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और पश्चिम एशिया के बिगड़ते हालातों (हॉर्मुज जलडमरूमध्य रूट पर आपूर्ति ठप होने का डर) के चलते विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भारतीय शेयर बाज़ार से अपना पैसा निकालकर सुरक्षित माने जाने वाले अमेरिकी डॉलर में लगा रहे हैं।

मज़बूत होता डॉलर इंडेक्स: अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में बढ़त के कारण डॉलर इंडेक्स लगातार मज़बूत हो रहा है, जिससे भारत सहित दुनिया भर की उभरती अर्थव्यवस्थाओं की करेंसी कमज़ोर हो रही हैं।

यदि जल्द ही स्थिति में सुधार नहीं आया तो इसका भारतीय अर्थव्यवस्था और आम आदमी पर गहरा असर पड़ेगा।

गांजा और अवैध हथियार ज़ब्त

अमलाई। शुक्रवार दिनांक 22 मई को अमलाई पुलिस ने नेशनल हाईवे बटरा पर घेराबंदी करके एक स्कॉर्पियो गाड़ी को पकड़ा और गाड़ी से डेढ़ किलो गांजा, दो देसी कट्टे और कारतूस बरामद किए। मौके से पाँच तस्करों को गिरफ़्तार कर जेल भेज दिया है।

रास्ते में लूटपाट

गोहपारू। गोहपारू थाने में एक पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज़ कराई है कि वह अपने रिश्तेदार के साथ बाइक से घर लौट रहा था, तभी कोतरी नाले के पास आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए उनका रास्ता रोका और 02 बोरी महुआ (करीब 60 किलो) व एक मोबाइल फोन लूटकर भाग गए। गोहपारू पुलिस ने शुक्रवार को मुख्य आरोपी ब्रजकिशोर उर्फ बुद्धू जायसवाल को गिरफ़्तार कर जेल भेज दिया है।

दिनदहाड़े 08 लाख रुपये की चोरी, पुलिस जांच में जुटी

जैतपुर, शहडोल। जैतपुर थाना क्षेत्र में चोरों ने शनिवार, दिनांक 23 मई को दिनदहाड़े एक सूने मकान में घुसकर लगभग 08 लाख रुपये की सम्पत्ति पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज़ कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

नवविवाहिता की संदिग्ध मौत, हत्या का आरोप

शहडोल। शहडोल में एक नवविवाहिता का शव फंदे पर लटका मिला, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मृतिका के मायके पक्ष (चाचा) ने आरोप लगाया है कि ससुराल वाले बुलेट मोटरसाइकिल की मांग को लेकर उसे लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। मायके वालों का कहना है कि उसे मारकर शव को फंदे पर लटकाया गया है। पुलिस ने शनिवार, दिनांक 23 मई को मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की बारीकी से जांच की जा रही है।

फर्जी डॉक्टर रैकेट का भंडाफोड़, तीन गिरफ़्तार

दमोह। दमोह पुलिस के द्वारा विगत दिवस फर्जी एमबीबीएस डिग्री रैकेट के मास्टरमाइंड को भोपाल से गिरफ़्तार किया गया है। सरकारी संजीवनी अस्पतालों में फर्जी दस्तावेजों से नौकरी दिलाने वाले इस बड़े नेटवर्क में 50 से अधिक लोगों के शामिल होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस इस गिरोह के तीन अन्य आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है।

पथरिया फाटक पर मारपीट

दमोह। दिनांक 22 मई को अज्ञात बदमाशों ने पथरिया फाटक के पास एक बोलेरो गाड़ी को जबरन रोका और गाड़ी के चालक के साथ जमकर मारपीट की। मारपीट करने के बाद गाड़ी की चाबी छीनकर मौके से फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जल संकट पर चक्काजाम

दमोह। दमोह ज़िले के ग्रामीण और शहरी इलाकों में भीषण गर्मी के बीच पानी की भारी किल्लत हो गई है। नलों में महज 10 मिनट पानी आने और हैंडपंप खराब होने से नाराज़ लोगों ने शुक्रवार को सड़क पर उतरकर करीब 05 घंटे तक चक्काजाम करके विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से जल्द जल संकट दूर करने की मांग की है।

30 जून तक बोर खनन पर लगा पूर्ण प्रतिबंध

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर ज़िले में गर्मियों के मौसम में पानी की भारी किल्लत और लगातार नीचे जाते वाटर लेवल को देखते हुए ज़िला प्रशासन ने एक बड़ा क़दम उठाया है। बिलासपुर के ज़िला कलेक्टर संजय अग्रवाल ने पूरे ज़िले में निजी बोरिंग कराने पर पूरी तरह रोक लगा दी है। यह सख्त आदेश शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में 30 जून 2026 तक लागू रहेगा।

प्रशासन ने साफ चेतावनी दी है कि बिना अनुमति के अवैध रूप से बोरिंग करने वालों पर कड़ी क़ानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके तहत पुलिस और राजस्व की संयुक्त टीमें लगातार गश्त कर रही हैं। यदि कहीं भी अवैध खनन पाया जाता है, तो छत्तीसगढ़ पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 के तहत सीधे बोरवेल गाड़ियों को ज़ब्त कर केस दर्ज़ किया जाएगा।

किन्हें मिलेगी छूट: केवल सरकारी एजेंसियां (जैसे पीएचई और नगर निगम) ही पेयजल सप्लाई के लिए नया बोर खोद सकेंगी।

विशेष मंजूरी

यदि किसी नागरिक को बहुत ज़रूरी काम या खेती के लिए बहुत आवश्यकता है, तो उसे पहले संबंधित क्षेत्र के एसडीएम से लिखित में सरकारी अनुमति लेनी होगी।

अब सीधे कैमरों से होगी वाहनों की जांच, बिना रोक-टोक कटेगा चालान

भोपाल। मध्यप्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और परिवहन व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए प्रदेश सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। प्रदेश की सड़कों पर अब वाहनों को रोकने की ज़रूरत नहीं होगी, बल्कि हाई-रिजोल्यूशन और एआई कैमरों की मदद से सीधे वाहनों की जांच की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने परिवहन विभाग की एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को इसके सख्त निर्देश दिए हैं। इसके तहत पूरे प्रदेश में 'ई-डिटेक्शन' प्रणाली लागू की जा रही है।

सीधे घर पहुंचेगा चालान: ई-डिटेक्शन से निगरानी होगी और इस नई तकनीक के जरिए सड़कों और मुख्य हाईवे पर लगे कैमरे गुजरने वाले वाहनों के नंबर प्लेट को स्कैन करेंगे। वाहन का नंबर मिलते ही सिस्टम सारथी पोर्टल और परिवहन सेवा की वेबसाइट से उसकी फिटनेस, बीमा (इंश्योरेंस) और परमिट की ऑनलाइन जांच कर लेगा और यदि किसी वाहन का बीमा या फिटनेस फेल मिलता है, तो बिना गाड़ी रोके उसका ऑनलाइन चालान कट जाएगा और मैसेज मालिक के मोबाइल पर पहुंच जाएगा।

आधुनिक टोल नाके और बॉर्डर चौकियां

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि दूसरे राज्यों से मध्यप्रदेश की सीमा में आने वाले मालवाहक वाहनों की जांच के लिए बॉर्डर चौकियों और टोल नाकों को पूरी तरह आधुनिक बनाया जाए। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर प्रदेश में 'राज्य सड़क सुरक्षा सचिवालय' बनाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है, ताकि दुर्घटनाओं को कम किया जा सके।

अवैध उत्खनन और ओवरलोडिंग पर भी नज़र

इस तकनीक का बड़ा फायदा रेत और अन्य खनिजों के अवैध परिवहन को रोकने में मिलेगा। प्रदेश की सीमाओं पर मानव रहित ई-चेकपोस्ट बनाए जा रहे हैं। यहां लगे कैमरे खनिज लेकर जा रहे वाहनों के वजन और ज़रूरी रॉयल्टी कागजातों की जांच ज़िला व भोपाल स्तर पर बने कमांड सेंटर से सीधे करेंगे।

राज्यसभा चुनाव: मध्यप्रदेश में सियासी हलचल तेज, 3 सीटों पर 18 जून को मतदान

भोपाल। मध्यप्रदेश की तीन राज्यसभा सीटों के लिए चुनावी बिगुल बज गया है। भारत निर्वाचन आयोग ने देश के 10 राज्यों की 24 सीटों के साथ मध्यप्रदेश में भी चुनाव कार्यक्रम जारी कर दिया है। मध्यप्रदेश में 18 जून 2026 को सुबह 09 बजे से शाम 04 बजे तक वोट डाले जाएंगे और उसी दिन शाम 05 बजे से मतों की गिनती शुरू होगी। इस घोषणा के साथ ही प्रदेश के दोनों मुख्य दलों, भाजपा और कांग्रेस में उम्मीदवारों के नामों को लेकर मंथन और राजनीतिक जोड़-तोड़ तेज होगई है।

तीन दिग्गजों का कार्यकाल खत्म: मध्यप्रदेश से राज्यसभा के तीन सदस्यों का कार्यकाल जून 2026 में समाप्त हो रहा है। इनमें दिग्विजय सिंह (कांग्रेस), डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी (भाजपा), जॉर्ज कुरियन (भाजपा)। इन तीनों नेताओं का कार्यकाल खत्म होने के बाद खाली हो रही सीटों को भरने के लिए यह चुनाव कराया जा रहा है।

चुनाव का पूरा शेड्यूल: 01 जून 2026 को चुनाव की आधिकारिक अधिसूचना जारी होगी। 8 जून 2026, नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तारीख। 09 जून 2026 को नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी (जांच) होगी। 11 जून 2026 को नाम वापस लेने की आखिरी तारीख और 18 जून 2026 को मतदान और शाम को ही मतगणना तथा चुनाव परिणाम।

तीसरी सीट को लेकर फंसा पेंच

विधानसभा में विधायकों की संख्या के गणित के हिसाब से दो सीटें आसानी से भाजपा के खाते में जाती दिख रही हैं. असली मुकाबला और सियासी खींचतान तीसरी सीट को लेकर है, जो वर्तमान में कांग्रेस के कब्जे में है।

लापरवाह अधिकारियों को नोटिस

दमोह ज़िला कलेक्टर ने गत दिवस विभिन्न सरकारी कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम और तहसीलदार सहित 24 अधिकारी व कर्मचारी बिना सूचना के अनुपस्थित मिले। कलेक्टर ने सभी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है और अब कर्मचारियों की उपस्थिति की निगरानी 'सार्थक ऐप' से करने के निर्देश दिए हैं।

चिंतन

समाज को चाहिए कि जो भक्ति, ज्ञान और वैराग्य से परिपूर्ण हो, जिसकी पूर्ण कुण्डलिनी चेतना जागृत हो, जो चैतन्य गुरु हो, जो तपस्वी गुरु हो, शिष्यों-भक्तों को चाहिये कि उनकी शरण में जाएं। उससे उनका आत्मकल्याण होगा और इष्ट के रूप में माता भगवती आदिशक्ति जगत जननी जगदम्बा से बढ़कर और किसी को स्वीकार करना, अपने आपको भटकाव में डालने के बराबर होगा।

ऋषिवाणी

धर्मसम्राट् युग चेतना पुरुष सद्गुरुदेव परमहंस योगीराज **श्री शक्तिपुत्र जी महाराज**

योग-ध्यान-साधना

शक्ति चेतना जनजागरण शिविर, सिद्धाश्रम (म.प्र.)
दिनांक- 20-10-2015

क्रमशः...

उसमें से पाँच प्रतिशत इस धर्मधुरी के लिए समर्पित करना है, जहाँ माता आदिशक्ति जगज्जननी जगदम्बा के मूलस्वरूप की स्थापना होनी है, वह पवित्र स्थल बन रहा है तथा बाकी जो पाँच प्रतिशत बचता है, वह मानवता की सेवा और राष्ट्ररक्षा के लिए खर्च करना है, जिसमें कहीं आपकी यात्राएं हों, आप दुगार्चालीसा के पाठ में सहयोग कर रहे हों, किसी ग़रीब को इस दिव्य धाम तक लाने में सहयोग कर रहे हों, गोशाला में समर्पित कर रहे हों, धर्मरक्षा में कर रहे हों, अर्थात् पाँच प्रतिशत का उपयोग आप अपने तरीके से जहाँ चाहो कर सकते हो, मगर उस पाँच प्रतिशत का एक भी अंश अपने और अपने परिवार के लिए खर्च मत होने देना। आपको इसका निर्णय लेना है और यह नहीं कि पहले तो पाँच प्रतिशत निकाला तथा फिर ज़रूरत पड़ी, तो अपने परिवार के लिए खर्च कर लिये। संघर्षों का जीवन क्यों न जीना पड़े तथा नमक-रोटी खा लो, मगर सत्यता का जीवन जियो। यदि सत्यता का जीवन जीना है, तो अपने धरातल को मज़बूत करो। एक जन्म में आपको सत्य की विचारधारा पर बढ़ना है कि आप यम के पाँचों प्रकार का पालन कर सकें।

आज अनेक लोग पूरा जीवन संग्रह में लगे रहते हैं और मरकर चले जाते हैं तथा कुछ भी उनके हाथ नहीं लगता है। बड़े-बड़े महलों को देखो, जो ग़रीबों का धन चूसकर बड़े-बड़े महल बनाये गए थे, जहाँ किसी ग़रीब को पैर नहीं रखने देते थे, आज खण्डहर बन चुके हैं, वहाँ उल्लू बोल रहे हैं, सैनिकों की टापें वहाँ गूँजती हैं। ऐसा धन किस काम का, ऐसे महल किस काम के, कि महल बनाते चले जाओ और उस महल का उपयोग आपके बच्चे भी न कर सकें!

जब मैं शहडोल में रहता था, तो वहाँ एक अतिभ्रष्टाचारी इंजीनियर था और मेरे साथ रहने वाले कुछ लोग जानते हैं, मैं उसका नाम लेकर नहीं बताना चाहता हूँ। वह आवश्यकता से ज़्यादा भ्रष्टाचारी था और दिन-रात पैसा कमाने में लगा रहता था, वैभव बढ़ाने में लिप्त था तथा उसके बच्चे भी धीरे-धीरे विकारी बन गए। एक बच्चे को पहले किसी ने गोली मार दी और जो दूसरा बच्चा था, उसकी मृत्यु भी दुर्घटना से हो गई। उस समय माता-पिता दूसरी जगह पर थे, उन्हें खबर दी गई और जब वे गाड़ी से आ रहे थे, तो रास्ते में उनकी भी दुर्घटना होगई, वे भी मारे गए तथा उनका सब धन वहीं का वहीं रह गया!

यदि आपने अपरिग्रह का जीवन जिया है और संस्कार का अर्जन किया है, सत्य का आपने जीवन जिया है और सत्यपथ पर चलकर जो धन आया है, तो वह आपके लिए भी उपयोगी होगा और आपके जाने के बाद जो भी उसका उपयोग करेगा, उसके लिए भी उपयोगी होगा।

शेष अगले अंक में...

संकलन
पूजा शुक्ला

युवा अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाएं और देश के विकास में सहभागी बनें: अजय अवस्थी

माता भगवती आदिशक्ति जगत जननी जगदम्बा की साधना से ही आत्मिक बल मिलता है, जिससे मनुष्य हर कठिनाई पर विजय पा सकता है: बहन पूजा शुक्ला

देवरिया। उत्तरप्रदेश के देवरिया जनपद में स्थित दिव्यशक्ति मैरिज लॉन में दिनांक 23 -24 मई को जनकल्याण की भावना को लेकर आयोजित 24 घंटे का श्री दुगार्चालीसा अखण्ड पाठ भव्यतापूर्वक सम्पन्न हुआ। भगवती मानव कल्याण संगठन के तत्त्वावधान में हुए इस वृहद धार्मिक अनुष्ठान से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा।

कार्यक्रम के समापन सत्र में संगठन की केन्द्रीय अध्यक्ष शक्तिस्वरूपा बहन सिद्धाश्रमरत्न पूजा शुक्ला जी के प्रेरक उद्बोधन ने उपस्थित जनसमुदाय में नई ऊर्जा का संचार किया। आपने परम पूज्य सद्गुरुदेव श्री शक्तिपुत्र जी महाराज का आशीर्वाद संदेश देते हुए कहा कि '' यदि हमें 'माँ' की, अपने इष्ट की कृपा प्राप्त करनी है, तो तप, त्याग के मार्ग पर चलना पड़ेगा। आप चाहे सुख में हों, या दुःख में, हर स्थिति में 'माँ'-गुरुवर को याद करते रहें, उन्हें अपने हृदय में बसाकर रखें। चाहे कितनी ही बड़ी कठिनाई क्यों न आ जाए, कर्मपथ से कभी विचलित मत होना, 'माँ'-गुरुवर जल्द ही उस कठिनाई से बाहर निकाल लेंगे और आपको पता भी नहीं चलेगा। ध्यान रखें, स्वयं के साथ समाज को पतन से बचाने के लिए नशे-मांसाहार से मुक्त चरित्रवान् बनने की आवश्यकता है और माता भगवती आदिशक्ति जगत् जननी जगदम्बा की साधना से ही आत्मिक बल मिलता है, जिससे मनुष्य हर कठिनाई पर विजय पा सकता है।''

शक्तिस्वरूपा बहन ने समाज में महिलाओं के सम्मान और उनकी सुरक्षा को लेकर प्रभावपूर्ण संदेश दिया।

संगठन के केन्द्रीय महासचिव अजय अवस्थी जी ने संगठन की जनकल्याणकारी नीतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ''भगवती मानव कल्याण संगठन का मुख्य उद्देश्य केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि समाज से छुआछूत, जातिवाद और

कुप्रथाओं को मिटाना है। परम पूज्य गुरुवरश्री के द्वारा बताए गए मार्ग पर चलें, नशे-मांसाहार से मुक्त चरित्रवान् जीवन अपनाएं, नित्यप्रति साधना-आराधना करें, फिर देखिए आप सभी का जीवन सुख-शांति-संतोष से भर उठेगा। गुरुवरश्री ने कहा है, 'तुम्हें सुख-शांति-संतोष और समृद्धि ही तो चाहिए, तो इसके लिए आलस्य, अकर्मण्यता का त्याग करें, धर्मवान और कर्मवान बनें।'

युवाओं को प्रेरित करते हुए आपने कहा कि ''अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाएं और देश के विकास में अपना योगदान दें।''

कार्यक्रम के अंतिम चरण में उपस्थित हज़ारों श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। संगठन के स्थानीय कार्यकर्ताओं ने व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से चलाने में सराहनीय योगदान दिया।

कोल्ड-ड्रिंक्स का कड़वा सच: प्यास बुझाने के नाम पर हम पेट में 'तेजाब' क्यों डाल रहे हैं?

गर्मी से बेहाल होकर जब हम फ्रिज से निकालकर कोई 'कार्बोनेटेड' (गैस वाला) कोल्ड-ड्रिंक गटागट पीते हैं, तो गले में जो झनझनाहट होती है, उसे हम 'ठंडक' समझ बैठते हैं। लेकिन प्राकृतिक चिकित्सा और आधुनिक विज्ञान के अनुसार, यह ठंडक नहीं, बल्कि आपके गले और आंतों के छिलने की चीख है। कोल्ड-ड्रिंक्स में मौजूद 'कार्बन डाइऑक्साइड' (Carbon dioxide) और 'फॉस्फोरिक एसिड' (Phosphoric acid) इसे टॉयलेट क्लीनर जितना ही एसिडिक (तेजाबी) बना देते हैं।

हड्डियों को खोखला करता है यह धीमा जहर

इन बोतलों में 10 से 12 चम्मच रिफाइंड सफेद चीनी घुली होती है। जब इतना सारा एसिड और चीनी एक साथ पेट में जाता है, तो शरीर के खून का pH लेवल (क्षारीयता) बिगड़ने लगता है।

- अपने खून को इस तेजाब से बचाने के लिए, शरीर तुरंत अपनी हड्डियों से 'कैल्शियम' (Calcium) खींचकर खून में डालता है ताकि एसिड को शांत किया जा सके।
- जो युवा दिन में 2-3 कोल्ड-ड्रिंक पीते हैं, 30 की उम्र तक उनकी हड्डियां अंदर से खोखली (Osteoporosis) हो जाती हैं और दांतों का इनेमल (Enamel) गलने लगता है।

मेरी राय में: प्यास बुझाने के लिए जहर का घूंट न पिएं। अपने शरीर रूपी मंदिर में रसायनों और कार्बन गैस को प्रवेश न करने दें। मटके का शुद्ध जल ही जीवन है। जब शरीर में प्रकृति का शुद्ध जल बहेगा, तो आपकी 'जीवनी शक्ति' कभी एसिडिटी या क्रोध का शिकार नहीं होगी।

दादी माँ का अचूक प्राकृतिक नुस्खा

मटके का 'सुगन्धित और क्षारीय जल': यदि गर्मियों में कुछ बहुत ही शीतल और स्वादिष्ट पीने का मन करे, तो मटके के पानी में रात को थोड़ी सी 'खस' (Vetiver) की जड़ें और 2-4 ताजे गुलाब की पंखुड़ियां डाल दें। यह पानी न केवल प्राकृतिक रूप से ठंडा होगा, बल्कि यह पूर्णतः क्षारीय (Alkaline) होगा। यह शरीर के एसिड को काटेगा और हृदय को ऐसी शांति देगा जो कोई महंगी कोल्ड-ड्रिंक नहीं दे सकती।

- **भ्रांति (Myth):** गरिष्ठ (भारी) खाना खाने के बाद यदि पेट भारी लगे, तो एक गिलास कोल्ड-ड्रिंक या सोडा पीने से तेज डकार आती है और खाना तुरंत हजम हो जाता है।
- **सच (Fact):** यह विज्ञान के नाम पर सबसे बड़ा धोखा है! कोल्ड-ड्रिंक में 'कार्बन डाइऑक्साइड' गैस भरी होती है (जो हम सांस से बाहर छोड़ते हैं)। जब आप इसे पीते हैं, तो पेट में गैस का गुब्बारा फूल जाता है। शरीर तुरंत उस जहरीली गैस को डकार के रूप में बाहर फेंकता है, और आपको भ्रम होता है कि खाना पच गया! वास्तव में, यह बर्फीला तेजाब पेट की 'जठराग्नि' को पूरी तरह बुझा देता है, जिससे खाना पचता नहीं, बल्कि पेट में सड़ता है।

गन्ने का रस
लिवर का प्राकृतिक रक्षक

गर्मियों में बच्चों को 'फ्रूट जूस' के नाम पर जो टेट्रा-पैक (Tetra packs) पिलाए जाते हैं, प्राकृतिक चिकित्सा उन्हें स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा धोखा मानती है। इन पैकेट्स में फलों का असली रस न के बराबर होता है; ये केवल उबाले गए 'शुगर सिरप' (Liquid Sugar) और कृत्रिम रंगों से बने होते हैं। उबलने (Pasteurization) के कारण इनके सारे 'जीवित एंजाइम्स' (Live Enzymes) मर चुके होते हैं।

यदि शरीर को गर्मियों में सचमुच हाइड्रेट (Hydrate) करना है और भयंकर गर्मी से लिवर को बचाना है, तो प्रकृति ने हमें सबसे शुद्ध और मीठा 'सलाइन वॉटर' दिया है— 'ताजा गन्ने का रस'।

लिवर की प्राकृतिक धुलाई (Detoxification)

सर्दियों के भारी आहार से हमारा लिवर अक्सर सुस्त पड़ जाता है। गन्ने का रस क्षारीय (Alkaline) होता है। जब यह पेट में जाता है, तो यह लिवर में जमे हुए टॉक्सिन्स को धोकर मल-मूत्र के रास्ते बाहर कर देता है।

- यही कारण है कि आयुर्वेद में पीलिया (Jaundice) जैसी भयंकर लिवर की बीमारी में गन्ने का रस अमृत माना गया है। यह शरीर में बिलिरुबिन (Bilirubin) के स्तर को तुरंत नीचे ले आता है।

सत्तू: कृत्रिम 'एनर्जी ड्रिंक्स' को मात देने वाला हमारा 'देसी प्रोटीन' और 'पेट का एसी'

जब भीषण गर्मी में लू (Heatstroke) चलती है, तो शरीर से पसीना नदियों की तरह बहता है और हमारी सारी ऊर्जा (Energy) निचुड़ जाती है। इस थकावट को मिटाने के लिए टीवी पर 'एनर्जी ड्रिंक्स' (Energy Drinks) के बड़े-बड़े विज्ञापन दिखाए जाते हैं, जिनमें 'कैफीन' (Caffeine) और भारी मात्रा में चीनी होती है। ये ड्रिंक्स हृदय की धड़कन को अस्वाभाविक रूप से बढ़ाकर कुछ पल की झूठी ऊर्जा देते हैं, और फिर शरीर को पूरी तरह निढाल कर देते हैं।

हमारे पूर्वजों के पास तपती धूप में खेतों में काम करने के लिए दुनिया का सबसे महान और सुपाच्य प्राकृतिक एनर्जी ड्रिंक था— 'सत्तू' (भुने चने का आटा)।

सत्तू: पेट का 'एयर कंडीशनर'

कच्चा चना पचने में भारी होता है, लेकिन जब इसे रेत में भूनकर पीसा जाता है, तो यह 'सत्तू' बन जाता है। भूनने की प्रक्रिया इसके भारीपन को खत्म कर देती है।

- सत्तू की तासीर अत्यंत ठंडी होती है। जब हम इसे पानी में घोलकर पीते हैं, तो यह पेट और लिवर की सारी गर्मी को स्पंज की तरह सोख लेता है। यह प्रोटीन और फाइबर का ऐसा भंडार है जो पचने में केवल 45 मिनट लेता है और शरीर को तुरंत (Instant) प्राकृतिक ऊर्जा से भर देता है।

कार्यकारी संपादक, बृजपाल सिंह चौहान (एन. डी.) नेचुरोपैथी, www.bschauhan09.blogspot.com, www.facebook.com/bschauhan09

डीजल-पेट्रोल के दाम बढ़ने से आमजनता पर मंहगाई की दोहरी मार

नई दिल्ली। **अंतरराष्ट्रीय** बाज़ार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार आ रही तेजी और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की ऐतिहासिक कमज़ोरी के चलते घरेलू तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के दामों में भारी बढ़ोतरी कर दी है। इस वृद्धि ने पहले से ही भीषण गर्मी और स्थानीय महंगाई से जूझ रही आम जनता की कमर तोड़ दी है।

मध्यमवर्गीय परिवारों और आम उपभोक्ताओं की जेब पर एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियो ने देश भर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बड़ी बढ़ोतरी कर दी है। नई दरें लागू होने के बाद देश के कई प्रमुख शहरों में पेट्रोल रु.108 और डीजल रु. 98 प्रति लीटर के पार पहुंच गया है। आर्थिक जानकारों का कहना है कि डॉलर के मुकाबले रुपये के रु. 96.89 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर गिरने और वैश्विक बाज़ार में ब्रेंट क्रूड के 110 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचने के कारण यह बढ़ोतरी अपरिहार्य हो गई थी। लेकिन इस फैसले ने भीषण गर्मी के इस दौर में आम आदमी के बजट को पूरी तरह झुलसा कर रख दिया है।

जनता की मांग

तेल की कीमतों में वृद्धि के बाद अब चारों तरफ से केंद्र और राज्य सरकारों से टैक्स (एक्साइज ड्यूटी और वैट) कम करने की मांग उठने लगी है। इस समय पेट्रोल-डीजल की मूल कीमत पर लगभग 45 से 50 प्रतिशत तक केवल टैक्स वसूला जाता है। आम नागरिकों का कहना है कि एक तरफ भीषण गर्मी के कारण बिजली का बिल और डॉक्टरों का खर्च बढ़ रहा है, तो दूसरी तरफ पेट्रोल-डीजल ने सब कुछ महंगा कर दिया है। आमदनी वही है, लेकिन खर्चे दोगुने हो चुके हैं। सरकार को तुरंत टैक्स घटाकर राहत देनी चाहिए।

सब्ज़ियां और राशन हुए महंगे: भारतीय परिवहन व्यवस्था पूरी तरह डीजल चालित ट्रकों पर निर्भर है। डीजल महंगा होने से माल ढुलाई में 12 से 15 प्रतिशत की तत्काल वृद्धि हो गई है। इसका सीधा असर मंडियों में आने वाले फल, सब्ज़ियों, दूध और अन्य आवश्यक खाद्य सामग्रियों की कीमतों पर पड़ा है।

सफर हुआ मंहगा: ऑटो, टैक्सी और निजी बस संचालकों ने किराए में बढ़ोतरी की मांग शुरू कर दी है। कई राज्यों में स्थानीय परिवहन यूनियनों ने किराए में तुरंत 10-20% की वृद्धि का प्रस्ताव रखा है, जिससे रोजाना काम पर जाने वाले मज़दूरों व नौकरीपेशा लोगों की जेब ढीली होगी।

दिल्ली-एनसीआर को मिला नया हाई स्पीड कनेक्टिविटी कॉरिडोर

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर को एक नया हाई स्पीड कनेक्टिविटी कॉरिडोर मिलने जा रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार, दिनांक 23 मई को संयुक्त रूप से इस प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया। इस कॉरिडोर के बनने से दिल्ली से सटे इलाकों का सफर काफी आसान हो जाएगा और जाम से मुक्ति मिलेगी।

ऑनलाइन दवा बिक्री के ख़िलाफ़ राजधानी में दवा दुकानें रहीं बंद

नई दिल्ली। **कॉरपोरेट** फार्मेसी और ऑनलाइन दवाओं की अनियंत्रित बिक्री के विरोध में ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के आह्वान पर 23 मई, दिन-शनिवार को दिल्ली सहित देशभर में विरोध प्रदर्शन देखा गया। दिल्ली के कई प्रमुख बाजारों में निजी मेडिकल स्टोर्स बंद रहे। स्थानीय दवा विक्रेताओं का कहना है कि ऑनलाइन दवा व्यापार से छोटे दुकानदारों का रोजगार खत्म हो रहा है और बिना डॉक्टर के पर्चे के ग़लत दवाएं बिकने का खतरा भी बढ़ रहा है।

शास्त्री नगर मार्केट में आग लगने से लाखों का सामान जलकर खाक

नई दिल्ली। दिल्ली के शास्त्री नगर इलाके में स्थित एक बड़ी फर्नीचर मार्केट में शनिवार देर रात अचानक आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि उसकी लपटें दूर-दूर तक दिखाई दे रही थीं। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन दुकानदारों का लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

माता-पिता आईएएस हैं, तो उनके बच्चों को आरक्षण क्यो ?: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जाति (SC) और अनुसूचित जनजाति (ST) आरक्षण को लेकर एक अतिमहत्त्वपूर्ण और तीखी टिप्पणी की है। कोर्ट ने सवाल उठाया है कि अगर किसी परिवार की एक या दो पीढ़ियां आगे बढ़ चुकी हैं और वे आईएएस जैसे बड़े पदों पर पहुंच गए हैं, तो उनके बच्चों को फिर से उसी कोटे का लाभ क्यों मिलना चाहिए?

यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की संविधान पीठ ने की है। पीठ इस बात की जांच कर रही है कि क्या राज्य सरकारें अधिक पिछड़े लोगों को लाभ देने के लिए एससी और एसटी श्रेणियों के अंदर उप-वर्गीकरण कर सकती हैं। मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने संकेत दिया कि क्या एससी-एसटी श्रेणी में भी ओबीसी की तरह 'क्रीमी लेयर' (मजबूत आर्थिक स्थिति वाले लोग) की व्यवस्था लागू की जानी चाहिए? अदालत ने कहा कि इसका मकसद आरक्षण खत्म करना नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य यह देखना है कि समाज के सबसे निचले पायदान पर बैठे व्यक्ति तक आरक्षण का असली फायदा पहुंचे।

सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद देश में आरक्षण नीति और क्रीमी लेयर को लेकर एक नई बहस छिड़ गई है। जानकारों का मानना है कि आने वाले समय में कोर्ट का अंतिम फैसला देश की आरक्षण व्यवस्था में बड़ा बदलाव ला सकता है

धरती का स्वर्ग कहा जाने वाला कश्मीर भीषण गर्मी की चपेट में

श्रीनगर। ठंडी वादियों और बर्फबारी के लिए दुनिया भर में मशहूर कश्मीर घाटी इस समय अभूतपूर्व मौसम परिवर्तन के दौर से गुज़र रही है। मई के महीने में ही कश्मीर के अधिकांश हिस्सों में चिलचिलाती धूप और लू जैसे हालात बन गए हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, श्रीनगर और उसके आस-पास के ज़िलों में इस सप्ताह का तापमान सामान्य से 05 से 6.3 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रिकॉर्ड किया गया है, जिसने स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों दोनों को हैरत में डाल दिया है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि घाटी में लंबे समय से बारिश न होने और कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के कारण मैदानी इलाकों की गर्म हवाएं पहाड़ों की तरफ रुख कर रही हैं, जिससे यह मौसमी संकट खड़ा हुआ है।

ग्लेशियरों पर संकट: तापमान में अचानक हुई इस भारी बढ़ोतरी ने पर्यावरणविदों की चिंता बढ़ा दी है। ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों और कोलाहोई जैसे प्रमुख ग्लेशियरों पर जमी बर्फ समय से पहले तेजी से पिघलने लगी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मई-जून में यही स्थिति रही, तो आने वाले महीनों में वादी की नदियों में जलस्तर अचानक बढ़ने और उसके बाद देर गर्मियों में पानी के गंभीर संकट का सामना करना पड़ सकता है।

मारा गया पुलवामा आतंकी हमले (2019) का मास्टरमाइंड हमजा बुरहान

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में दिनांक 21 मई की सुबह अज्ञात हमलावरों ने पूलवामा हमले में शामिल हमजा बुरहान को मार गिराया। वह पीओके की राजधानी मुजफ्फराबाद के गोजरा इलाके में एक निजी कॉलेज (एआईएमएस कॉलेज) के बाहर गोलियों का निशाना बना, जहां वह अपनी पहचान छिपाकर एक प्रिंसिपल के रूप में रह रहा था।

जानकारी के अनुसार, जब वह कॉलेज से बाहर निकला, तो बाइक पर आए अज्ञात बंदूकधारियों ने उस पर बेहद करीब से अंधाधुंध गोलियां बरसाईं, जिससे उसके सिर में तीन गोलियां लगीं

और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत होगई।

मूल निवासी: वह मूल रूप से दक्षिण कश्मीर के पुलवामा ज़िले के रत्नीपोरा का रहने वाला था। बुरहान के पास कथित तौर पर एमबीबीएस की डिग्री थी, जिसकी वजह से आतंकी नेटवर्क में उसे डॉक्टर कहा जाता था। वह साल 2017 में उच्च शिक्षा के बहाने वैध दस्तावेजों (वीजा) के जरिए भारत से पाकिस्तान चला गया था और वहां जाकर अल-बद्र आतंकी संगठन में शामिल हो गया।

आतंकी गतिविधियों में लिप्तता: भारतीय सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, हमजा बुरहान 14 फ़रवरी 2019 को हुए पुलवामा हमले का मुख्य साजिशकर्ता/मास्टरमाइंड था, जिसमें सीआरपीएफ के 40 से ज़्यादा जवान शहीद हो गए थे। नवंबर 2020 में पुलवामा में सीआरपीएफ बंकर पर हुए ग्रेनेड हमले को संचालित करने का भी वह आरोपी था।

पर्यटनः अमरकंटक, जहां से बहती है जीवनदायिनी नर्मदा

मध्यप्रदेश के अनूपपुर ज़िले में मैकल पर्वतमालाओं के मध्य बसा अमरकंटक भारत के सबसे पवित्र धार्मिक पर्यटन स्थलों में से एक है। समुद्र तल से लगभग 1,065 मीटर की ऊंचाई पर स्थित इस पावन धाम को 'तीर्थराज' यानी तीर्थों का राजा कहा जाता है। यह वह अलौकिक स्थान है, जहां क़दम रखते ही मन शांतिकुंज में विचरण करने लगता है। चारों ओर फैले घने साल व सरई के जंगल और पहाड़ आंखों को सुकून देते हैं।

माँ नर्मदा का उद्गमः अमरकंटक की पहचान का मुख्य केंद्र बिंदु माँ नर्मदा का उद्गम स्थल है। भारत की प्रमुख नदियों में से एक, नर्मदा नदी यहीं के एक पवित्र कुंड से प्रकट होती है।

सफेद मंदिरों का समूहः उद्गम कुंड के चारों ओर सफेद रंग के भव्य मंदिरों की एक शृंखला है, जो दक्षिण भारतीय वास्तुकला से प्रेरित है।

शाम की महाआरतीः हर शाम यहां होने वाली माँ नर्मदा की आरती का दृश्य अत्यंत मनोहारी और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर होता है, जिसमें शामिल होने देश-विदेश से श्रद्धालु पहुंचते हैं।

प्राकृतिक चमत्कारः अमरकंटक केवल मंदिरों का शहर नहीं है, बल्कि यह प्रकृति के चमत्कारों से भी समृद्ध है।

नर्मदा उद्गम स्थल से लगभग 06 किलोमीटर दूर, नदी लगभग 100 फीट की ऊंचाई से एक गहरी खाई में गिरती है, जिसे **कपिल धारा** के नाम से सम्बोधित किया जाता है। पौराणिक मान्यता है कि यहां महान ऋषि कपिल ने तपस्या की थी।

दुग्ध धाराः कपिल धारा से आगे बढ़ने पर यह जलप्रपात आता है। यहां पानी इतनी तेजी से पत्थरों पर गिरता है कि इसका रंग दूध जैसा सफेद दिखाई देता है, इसलिए इसे 'दुग्ध धारा' कहा जाता है।

प्राचीन वास्तुकलाः नर्मदा उद्गमस्थल के ठीक पीछे स्थित प्राचीन कलचुरी मंदिर भारतीय इतिहास और शिल्पकला का बेजोड़ नमूना हैं। इन मंदिरों का निर्माण 11वीं शताब्दी में कलचुरी महाराजा कर्णदेव ने करवाया था। एएसआई (अरक) द्वारा संरक्षित इन पत्थरों के मंदिरों की नक्काशी और स्थापत्य कला को देखने इतिहास प्रेमी दूर-दूर से पहुंचते हैं।

श्री यंत्र महामेरु मंदिरः अमरकंटक का श्री यंत्र मंदिर अपनी अनूठी ज्यामितीय संरचना (श्री यंत्र के आकार) और सिंह वाहिनी मां दुर्गा के विशाल मुख प्रवेश द्वार के कारण आकर्षण का मुख्य केंद्र है।

कबीर चबूतराः यह वह शांत स्थान है जहां संत कबीरदास जी ने कई वर्षों तक साधना की थी। माना जाता है कि इसी स्थान पर कबीर जी और सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी की मुलाकात और आध्यात्मिक चर्चा हुई थी।

अमरकंटक की यात्रा से जुड़े मुख्य आकर्षण के केन्द्र

नर्मदा कुंडः माँ नर्मदा का साक्षात प्रकट स्थल।

सोन मुड़ाः सोन नदी का उद्गम स्थल और गहरी घाटियों का सुंदर दृश्य।

माई की बगियाः प्राकृतिक सौंदर्य को समेटे एक मनोरम बगीचा, जहां प्राकृतिक जलधाराएं बहती हैं।

कैसे पहुंचें और कब जाएं?

अमरकंटक का मौसम साल भर सुहावना रहता है। मानसून के समय यहां के झरने जीवंत हो उठते हैं। अमरकंटक पहुंचने के लिए निकटतम रेलवे स्टेशन पेंड्रा रोड (छत्तीसगढ़) लगभग 42 कि.मी. और अनूपपुर जंक्शन लगभग 70 कि.मी. दूर है। सड़क मार्ग से यह बिलासपुर, शहडोल और जबलपुर से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है।

प्रकृति से नज़दीकताः यदि आप भागदौड़ भरी जिन्दगी से दूर कुछ दिनों के लिए किसी ऐसे स्थान की तलाश में हैं, जहां आपको धर्म, इतिहास और प्रकृति के अनूठे रंग का अनुभव एक साथ मिले, तो अमरकंटक आपकी यात्रा सूची में सबसे ऊपर होना चाहिए। यह आत्मा को शुद्ध करने और प्रकृति के करीब जाने का एक अनूठा स्थान है।

नशाविरोधी जनान्दोलन

कार्यकर्ताओं की कर्त्तव्यनिष्ठा काबिलेतारीफ़, अवैध शराब ज़ब्त करवाने का क्रम अनवरत जारी

संकल्प शक्ति। भगवती मानव कल्याण संगठन एवं भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के कार्यकर्ता सम्बंधित थाने की पुलिस को सूचना देकर अवैध शराब ज़ब्त करवाने को सिलसिला अनवरत जारी रखे हुए हैं।

इसी क्रम में, दिनांक 21 मई को रात्रि 08:00 बजे दमोह ज़िले के हिंडोरिया थाने की बांदकपुर (शराब प्रतिबंधित क्षेत्र) चौकी अन्तर्गत ग्राम-आनू में एक पेटी देशी मसाला शराब पकड़ी गई। अरोपी गोपी बंसल, निवासी ग्राम-आनू, ग्राम में ही पुलिया के समीप शराब से भरा थैला लिए हुए बैठा था।

दिनांक 21 मई को ही रात्रि लगभग 08:00 बजे जबलपुर ज़िले के आधारताल थानान्तर्गत महाराजपुर में 04 पेटी शराब पकड़ी गई। आरोपी कलीम, उम्र 40 वर्ष, चारपहिया वाहन बोलेरो, क्रमांक-एमपी 13, जेडवी/0545 से शराब लेजा रहा था।

दिनांक 21 मई को रात्रि 11:40 बजे दमोह ज़िले के बटियागढ़ थाने की फुटेरा चौकी अन्तर्गत फुटेरा में दो पेटी शराब पकड़ी गई। एक आरोपी मोटरसाइकिल से शराब लेजा रहा था।

दिनांक 23 मई को सायंकाल 07:00 बजे दमोह ज़िले के हिण्डोरिया थाने की बांदकपुर चौकी अन्तर्गत ग्राम आनू में पुलिया के पास एक आरोपी के पास से 28 पाव देशी मसाला शराब पकड़ी गई। आरोपी मौके पर पुलिस के पहुंचने से पूर्व फरार हो चुका था।

दिनांक 23 मई को ही रात्रि 12:30 बजे दमोह ज़िले के जबेरा थाने की बनवार पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम-पटना मानगढ़ से पहले 98 पाव देशी प्लेन और 50 पाव देशी मसाला शराब पकड़ी गई। आरोपी लवकुश जैसवाल पुत्र रमाकान्त जैसवाल, निवासी ज़िला-पन्ना और वृंदावन ठाकुर पुत्र मल्ले ठाकुर, निवासी ग्राम-मगरोन, ज़िला-दमोह, टीवीएस मोटरसाइकिल क्रमांक-एमपी 34, जेड-सी/7954 से शराब लेजा रहे थे।

दिनांक 25 मई को सायं 05:00 बजे

दमोह ज़िले के हिण्डोरिया थानान्तर्गत आनू गांव में पुलिया के पास पकड़ी गई शराब

दमोह ज़िले के बटियागढ़ थानान्तर्गत फुटेरा गांव में पकड़ी गई शराब

जबलपुर ज़िले के आधारताल थानान्तर्गत जबलपुर के महाराजपुर में पकड़ी गई शराब

दमोह ज़िले के हिण्डोरिया थानान्तर्गत आनू गांव में पुलिया के पास पकड़ी गई शराब

दमोह ज़िले के जबेरा थानान्तर्गत पटना-मानगढ़ गांव में पकड़ी गई शराब

दमोह ज़िले के कुम्हारी थानान्तर्गत पटपरा गांव के पास पकड़ी गई शराब

दमोह ज़िले के कुम्हारी थानान्तर्गत ग्राम-पटपरा के पास 93 पाव देशी मसाला और 50 पाव देशी प्लेन शराब पकड़ी गई। आरोपी यशवंत ठाकुर, मोटरसाइकिलक्रमांक-एमपी 34, जेड-ई/7493 से शराब लेजा रहा था।

स्वत्वाधिकारी त्रिशक्ति प्रोडक्ट्स प्रा. लि. के लिए सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक पूजा शुक्ला के द्वारा हितकारिणी प्रिन्टिंग प्रेस, सिविक सेंटर, ज़िला-जबलपुर (म.प्र.) से मुद्रित तथा पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम, पोस्ट-मऊ, तहसील-ब्यौहारी, ज़िला-शहडोल (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पर्क सूत्रः 9981657948, 8965942312, Email-sankalpshakti09@gmail.com, RNI NO-MPHIN/2009/31042 न्यायालयीन क्षेत्राधिकार ब्यौहारी।